



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

## PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 254]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 8, 2013/कार्तिक 17, 1935

No. 254]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 8, 2013/ KARTIKA 17, 1935

## वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

## जांच समाप्ति संबंधी सूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 2013

विषय: साउदी अरब से प्रारंभ अथवा वहां से निर्यातित पेंटाइरिथ्रिटोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच ।

सं.-14/11/2011-डीजीएडी.— समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय- समय पर यथा संशोधित टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियम भी कहा गया है), को ध्यान में रखते हुए :—

## क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः मै. कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. (जिन्हें एतद्पश्चात आवेदक भी कहा जाएगा) ने साउदी अरब (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) में शुरू अथवा वहां से निर्यातित पेंटाइरिथ्रिटोल (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के कथित पाटन का आरोप लगाते हुए, घरेलू उद्योग की ओर से, पाटनरोधी नियमों के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है ।

2. यतः प्राधिकारी ने नियमों के उपनियम 5(5) के अनुरूप जांच शुरू करने से पूर्व संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन संबंधी उक्त आवेदन की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया है ।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्षों के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 22 मई 2012 को प्रकाशित सार्वजनिक नोटिस जारी करके नियमों के अनुसार संबद्ध देश में शुरू अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की है ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि लागू करने की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

## ख. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच शुरू करने की प्रक्रिया को अधिसूचित करने हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात वर्तमान जांच के संबंध में नीचे उल्लिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रारंभिक अधिसूचना की प्रतियां भेजी हैं। इस जांच के ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली का उत्तर देने और निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

ii निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र, यद्यका तथा प्रश्नावली की प्रतियां संबद्ध देश से उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह देने के अनुरोध सहित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों की सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थीं।

iii नियमों के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संगत सूचना मंगवाने के लिए प्राधिकारी द्वारा उन्हें निर्यातक प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :

1. मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी (केमेनॉल)

प्रधान कार्यालय : नोवोटेल बिजनेस पार्क,

दमम - खोबर राजमार्ग

बिल्डिंग सं.-3, प्रथम तल

पो. बॉ. सं.- 3139, दमम-31471

2. मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी (केमेनॉल)

कॉर्पोरेट/कार्यालय : अल जुबैल इंडस्ट्रियल एरिया रोड, 251, क्रॉसिंग 198, पो. बॉ. सं. 2101,

जुबैल - 31951

3. मै. पर्सस्टॉर्प स्पेशिएलिटी केमिकल्स ए बी एस ई 284-80 पर्सस्टॉर्प, स्वीडन

iv साऊदी अरब की मै. मेथेनॉल केमिकल्स कंपनी (केमेनॉल) (उत्पादक) तथा स्वीडन की मै. पर्सस्टॉर्प स्पेशिएलिटी केमिकल्स ए बी (निर्यातक) ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निर्यातक प्रश्नावली भरकर भेजी थी।

v. भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगवाने हेतु आयातक प्रश्नावलियां भी भेजी गई थीं :

क्र. सं.	कंपनी का नाम	क्र. सं.	कंपनी का नाम
1.	मै. पर्सस्टॉर्प केमिकल्स इंडिया (प्रा.) लि. वापी	2.	मै. एच. आर ट्रेडिंग कं. प्रा लि. मुम्बई
3.	मै. सन्मान ट्रेड इंपेक्स प्रा. लि. मुम्बई	4.	मै. लिओ केमोप्लास्ट प्रा. लि. मुम्बई
5.	मै. सराफ केमिकल्स लि. मुम्बई	6.	मै. समीर डाई केम मुम्बई
7.	मै. एल्कॉन इंटरप्राइजेस कोलकाता	8.	मै. बर्जर पेंट्स इंडिया लि. इंडिया
9.	मै. ए.वी.एम सेल्स प्रा लि. कोलकाता	10.	मै. सेंचुरी इंका लि. मुम्बई
11.	मै. सिबा स्पेशिएलिटी केमिकल्स (इंडिया) लि. मुम्बई	12.	मै. एडिसन पेंट्स एंड केमिकल्स, चेन्नई
13.	मै. डेक्रो पेंट्स हैदराबाद	14.	मै. कोएट्स ऑफ इंडिया लि. मुम्बई
15.	मै. डुजोदवाला पेपर केमिकल्स लि. रायगढ़	16.	मै. हार्डकैसल एंड वॉल मैन्युफैक्चरिंग कं. लि. मुम्बई
17.	मै. गार्ग इंडस्ट्रीज प्रॉप., नवी मुम्बई	18.	मै. गुडलास नेरोलैक पेंट्स लि. मुम्बई
19.	मै. मित्सु इंडस्ट्रीज लि. मुम्बई	20.	मै. हीरो डाई केम इंडस्ट्रीज, मुम्बई
21.	मै. रेजिन्स एंड पिगमेंट्स, पीथमपुर (म.प्र.)	22.	मै. हिन्दुस्तान इंक्स एंड रेजिन्स लि. मुम्बई
23.	मै. केमिकलर एजेंसी, कोलकाता	24.	मै. आई वी पी लि. थाणे
25.	मै. शालिमार पेंट्स लि., हवरा	26.	मै. जेन्सन एंड निकलसन (आई) लि. कोलकाता
27.	मै. डुजोदवाला पेपर केमिकल्स मुम्बई	28.	मै. पारस डाईज एंड केमिकल्स मुम्बई
29	मै. ईस्टकार्प इंटरनेशनल, कोलकाता	30	मै. विबग्योर पेन्ट्स प्रा० लि०, मुम्बई
31	मै. गरवारे पोलिस्टर लि०, मुम्बई		

vi. आरंभिक अधिसूचना को भारतीय पेन्ट एशोसिएशन, भारतीय रेजिन विनिर्माता संघ तथा भारतीय स्माल स्केल पेन्ट एशोसिएशन को भी भेजा गया था ।

vii. आरंभिक अधिसूचना के उत्तर में केवल मै0 परस्टोर्प कैमिकल इंडिया प्रा0 लि0 (भारत में आयातक तथा पुनः विक्रेता) जो मै0 परस्टोर्म स्पेशियलटी कैमिकल्स ए बी, स्वीडन की एक सहायक कंपनी है, ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है ।

viii. जहां घरेलू उद्योग के समर्थन में मै0 सन्दीप आर्गेनिक्स प्रा0 लि0 से अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; भारतीय स्माल स्केल पेन्ट एशोसिएशन और भारतीय रेजिन विनिर्माण एशोसिएशन ने घरेलू उद्योग के विरोध में अभ्यावेदन दिया है ।

ix. प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्षों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उन्हें हितबद्ध पार्टियों को देखने के लिए खुला रखा ।

x. जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्योरे रखने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) को अनुरोध किया गया था ।

xi. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों और द्वितीयक स्रोत अर्थात् आई बी आई एस पर आधारित घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों की तुलना की और वर्तमान जांच में डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया ।

xii. सामान्यतया स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों और नियमों के अनुच्छेद ॥। में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन लागत तथा उनकी बिक्री कीमत तय करने के आधार पर क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु आवेदक से सूचना मांगी गई थी ताकि यह पता चल सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xiii. जांच 1 जनवरी, 2011 से 31 दिसम्बर, 2011 (12 महीने) की अवधि (पी ओ आई) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण में 2008-09, 2009-10, 2010-11 और पी ओ आई की अवधि शामिल है ।

xiv. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 18 फरवरी, 2013 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने मौखिक विचार प्रस्तुत करने के लिए भी अवसर प्रदान किया । जिन पार्टियों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, इनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।

xv. घरेलू उद्योग तथा अन्य सहयोगी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना तथा आंकड़ों का जहां तक आवश्यक हो, प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया ।

xvi. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध सूचना की पर्याप्तता तथा गोपनीय दावा के संबंध में जांच की गई । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां अपेक्षित हो गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया और सूचना को गोपनीय माना तथा उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया । जहां संभव है गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले हितबद्ध पक्षकारों को हैं उन्हें गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

xvii. जहां हितबद्ध पार्टियों ने सूचना देने से मना कर दिया या वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई या जांच में काफी अवरोध किया, प्राधिकारी ने 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर निष्कर्षों को रिकॉर्ड किया और उन पार्टियों को असहयोगी के रूप में माना ।

xviii. राजस्व विभाग ने अपने दिनांक 10 मई, 2013 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 354/72/2013-टी आर यू के तहत विषय जांच को पूरा करने के लिए 21 नवम्बर, 2013 तक का समय दिया ।

xix. xxx इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी द्वारा इसे नियमों के अंतर्गत ऐसा माना है ।

xx. पी ओ आई के लिए अपनायी गयी विनिमय दर 1 अमरीकी डालर = 46.84 रुपए है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पेन्टाइशिथिटोल एक कार्बनिक मिश्रण है जो अल्कलिक रेजिन, रोजिन एस्टर्स, प्लास्टिसाइजर्स, प्रिंटिंग इंक, सिथेटिक रबड़, प्लास्टिक के लिए स्टेबलाइजर्स, संशोधित ड्राइंग आयल्स, डिटोनेटर्स, विस्फोटक, भेषजीय, कोर ऑयल तथा सिथेटिक लुब्रिकेंट आदि के विनिर्माण में उपयोग होता है । "इशिथिटोल" में चार हाइड्रोक्साइल समूहों की उपस्थिति प्रदर्शित होती है और पहले "पेन्टा" होता है जो इंगित करता है कि अणु में पांच कार्बन एटम हैं । पेन्टाइशिथिटोल तकनीकी ग्रेड या नाइट्रोजेन ग्रेड का हो सकता है और दोनों ग्रेड वर्तमान जांच में जांचाधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं । पेन्टाइशिथिटोल सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत उपशीर्ष संख्या 2905.42 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं । तथापि सीमाशुल्क केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच के दायरे पर किसी तरह बाध्यकारी नहीं है ।

6. समान वस्तु के सन्दर्भ में नियमावली के नियम 2 (घ) में निम्नानुसार निर्धारण है ।

"समान वस्तु" का अर्थ वह वस्तु जो भारत में पाठित की जा रही वस्तु के लिए जांचाधीन वस्तु से सभी तरह से समान हो या इस वस्तु की अनुपस्थिति में दूसरी वस्तु जो हालांकि सभी तरह से समान नहीं हैं, पर जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु के समान प्रतिस्थान्तरणीय प्रकृति की हैं ।

7. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु वास्तविक और रासायनिक गुणधर्मों के रूप में, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वस्तुओं के वितरण और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं ।

8. जांचाधीन उत्पाद तथा समान वस्तु की परिभाषा तथा दायरे के बारे में किसी भी पक्षकार ने कोई संगत अभ्यावेदन नहीं दिया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से निर्यातित वस्तु में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है । दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता इसका एक दूसरे के स्थान पर उपयोग करते हैं । याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के समान, समान वस्तु माना जा रहा है ।

**(घ) घरेलू उद्योग का दायरा एवं कार्य क्षेत्र**

**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण**

9. घरेलू उद्योग के दायरे और कार्यक्षेत्र के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित है:

(i) कंपनी द्वारा संबद्ध देश से पर्याप्त मात्रा में विचाराधीन उत्पाद का आयात करने के कारण एशियन पेंट्स को एक योग्य घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता ।

(ii) याचिकाकर्ता कथित पाटित वस्तुओं के निर्यातक या आयातक से संबंधित नहीं है । जांच की अवधि के दौरान से याचिकाकर्ता ने सातवी अरब से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में कोई आयात नहीं किया । याचिकाकर्ता भारतीय उत्पादन के महत्वपूर्ण भाग का निर्माण करता है और अतः इसको नियमों के दायरे में "घरेलू उद्योग" माना जाएगा ।

(iii) सीमित खपत के हद तक एशियन पेंट्स का उत्पादन इन शर्तों के अध्यधीन घरेलू उत्पादन में शामिल नहीं किया जा सकता: (i) ऐसी सीमित खपत व्यापारी बाजार में पाटन आयातों से मुकाबला नहीं करती और अतः कुछ हद तक पाटन प्रणाली के कारण कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता । (ii) उन्होंने पिछली या वर्तमान जांच में सक्रिय रूप से हिस्सा नहीं लिया है क्योंकि वे पाटन से उस हद तक प्रभावित नहीं हैं जितना कि याचिकाकर्ता प्रभावित है । (iii) इस विषय पर डब्ल्यू टी ओ के निर्णय का यह अर्थ नहीं है कि सीमित खपत को छोड़ा नहीं जा सकता है । यह सिर्फ यह व्यक्त करता है कि यदि घरेलू उद्योग निष्क्रिय और व्यापारी बाजार दोनों हैं तो क्षति जांच को केवल एक प्रकार तक प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है ।

**उत्पादक/निर्यातक/आयातक द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण**

10. घरेलू उद्योग के दायरे और कार्य क्षेत्र के संबंध में उत्पादक/निर्यातक/आयातक द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित है:-

(i) पी ओ आई के दौरान कुल घरेलू उत्पादन का मात्र 55 प्रतिशत हिस्सा याचिकाकर्ता के पास है । जैसाकि अन्य उत्पादक नामतः मैसर्स एशियन पेंट्स जिनके पास कुल घरेलू उत्पादन का 40% से अधिक हिस्सा है, ने जांच में भाग नहीं लिया, याचिकाकर्ता को संविधिक के अर्थ के 'अंतर्गत घरेलू उद्योग' नहीं माना जा सकता ।

(ii) सीमित बाजार को घरेलू बाजार से अलग बाजार के रूप में नहीं माना जा सकता । एशियन पेंट्स संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करता है तथा उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खुले बाजार में भी बेचते हैं । अतः घरेलू उद्योग के कार्य क्षेत्र और क्षति विश्लेषण का भी निर्णय करने के लिए एशियन पेंट्स के उत्पादन को छोड़ा नहीं जा सकता ।

**प्राधिकृत प्राधिकारी द्वारा जांच**

11. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि मैसर्स एशियन पेंट्स को वर्तमान जांच प्रारंभ होने की अधिसूचना प्रदान की गई थी । तथापि, कंपनी ने वर्तमान पाटनरोधी जांच को न समर्थन दिया न ही विरोध किया । प्राधिकरण यह भी नोट करती है कि जांच अवधि के दौरान मैसर्स एशियन पेंट्स ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है ।

12. प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि संबद्ध वस्तुओं के कुल घरेलू उत्पादन में आवेदक का हिस्सा 50% से अधिक बनता है । उपरोक्त स्थिति के महेनजर, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि आवेदक कार्य क्षेत्र की पूर्ति के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करता है और पाटनरोधी नियमों के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) के अंतर्गत यथा अपेक्षित घरेलू उद्योग स्थापित करता है ।

## (ङ.) विविध मुद्दे

## घरेलू उद्योग के प्रस्तुतीकरण

13. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विविध प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित हैं -

(i) पाटनरोधी नियमों के नियम 5(3) (ख) के अनुसार नामित प्राधिकारी को जांच शुरू करने से पहले आवेदन में दिए पाटन, क्षति और अनौपचारिक संपर्कों के संबंध में साक्ष्य की पर्याप्तता और सत्यता की जांच करना है। घरेलू उद्योग भी इस संबंध में उपलब्ध न्यायशास्त्र का हवाला देते हैं और उस पर निर्भर करते हैं। आगे यह प्रस्तुत किया जाता है कि आरंभिक अधिसूचना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि प्राधिकारी ने सूचना का विश्लेषण किया है और साक्ष्य की पर्याप्तता और सत्यता से संतुष्ट होने पर ही जांच की शुरूआत की। आगे यह भी प्रस्तुत किया जाता है कि अनुच्छेद 5.2 द्वारा यथाअपेक्षित आवेदक ने आवेदन में दी गई सूचनाओं से संबंधित पूर्ण जानकारी प्रदान की है जो भी आवेदक के पास समुचित रूप से उपलब्ध है।

(ii) जैसा कि ऊपर प्रस्तुत किया गया है जांच शुरू करने में कोई अवैधता नहीं है। प्राधिकृत प्राधिकारी को विस्तृत जांच करना अपेक्षित नहीं है लेकिन उनको प्रथम दृष्टया यह देखना होगा कि क्या आवेदन पाटित आयात और तथाकथित क्षति के बीच पाटन, क्षति और औपचारिक सम्पर्कों के संबंध में साक्ष्य से समर्थित है। प्राधिकृत प्राधिकारी ने जांच की शुरूआत हेतु एक सार्वजनिक सूचना उचित रूप से की है।

(iii) इस तर्क के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है। याचिका में मामला बनाने हेतु विचार की गई जांच के लिए पर्याप्त अवधि उस जांच अवधि से भिन्न है जिस पर प्राधिकारी द्वारा निर्णय लेने हेतु विचार किया गया है। यद्यपि दोनों अवधि या एक समान हो सकती हैं, तथापि दोनों का समान होना आवश्यक भी नहीं।

(iv) निर्यातकों ने अधिक गोपनीयता का दावा किया है।

## उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरण

14. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों और अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा किए गए विविध प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित हैं:-

(i) याचिकाकर्ता द्वारा दर्ज किया गया आवेदन पूर्णतया अशुद्ध और अपूर्ण है और अतः तुरन्त खारिज की जाए।

(ii) जांच अवधि की सूचना दिए बिना ही जांच शुरू कर ली गई थी चूंकि याचिकाकर्ता द्वारा जांच अवधि से संबंधित सूचना जांच शुरू होने के 40 दिन बाद प्रस्तुत की गई थी।

(iii) देश में संबद्ध वस्तुओं की मांग, याचिकाकर्ता की क्षमता से कहीं ज्यादा है। भारी मांग आपूर्ति में अंतर आयात को अनिवार्य बनाता है। अतः घरेलू उद्योग को क्षति, अगर कोई है, तो आयात को उत्तरदायी नहीं ठहरा सकते बल्कि यह घरेलू उद्योग की अक्षमता माना जाएगा।

## प्राधिकारी द्वारा की गई जांच

15. जैसाकि प्रस्तुतीकरण में कहा है कि याचिकाकर्ता द्वारा दर्ज किया गया आवेदन पूर्णतया अशुद्ध और अपूर्ण है। चूंकि जांच की शुरूआत को समर्थित करने के लिए इसके साथ आवश्यक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि पाटनरोधी नियमों के संबंध में पाटन, क्षति, अनौपचारिक सम्पर्कों के प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर वर्तमान जांच शुरू की गई थी।

16. दस्तावेज के संबंध में, जांच अवधि के अनुमति के बिना जांच पड़ताल शुरू की गई है प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमों में ऐसी कोई प्रावधान नहीं है जो प्राधिकारी को जांच के दौरान जांच अवधि बढ़ाने से रोकता है।

17. तर्क के संबंध में कि मांग और आपूर्ति में बहुत अधिक अंतर है और इसलिए आयात अपरिहार्य है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क का अधिरोपण किसी भी तरीके से आयात पर पाबंदी नहीं लगाएगा और इसलिए घरेलू उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं डालेगा।

18. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों के गोपनीयता दावों की जाँच की है। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सबूतों का अगोपनीय विवरण को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है।

च. पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए कार्यप्रणाली सामान्य कीमत, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतीकरण

19. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतीकरण निम्नलिखित है:-

i. कैमेनाल और पर्सटाप के बीच संबंध के कारण साउदी अरब के घरेलू बाजार में कैमेनाल का विक्रयमूल्य व्यापार के सामान्य स्थिति में नहीं है। कैमेनाल के उत्पादन की लागत साउदी अरब से सम्बद्ध वस्तुओं का एक मात्र आपूर्तिकर्ता, विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन से जुड़ी लागत को समुचित रूप से परिलक्षित नहीं करती है पर्सटाप ने स्वीडन और युरोपीय संघ में विचाराधीन

उत्पाद का विक्रय किया। यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद के कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित होना चाहिए।

ii. यह कहना भी उचित होगा कि कैमेनाल और पर्सटाप के बीच के संबंध को देखते हुए यह संभव है कि दो पक्षों के बीच लेनदेन व्यापार की सामान्य स्थिति में नहीं है। यह स्पष्ट रूप से प्रतीत होता है कि दो पक्षों के बीच वस्तु-विनियम की स्थिति है जहाँ एक देश ने उत्पादन प्रौद्योगिकी की आपूर्ति की है वहीं दूसरा देश अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में विक्रय करने के लिए पर्सटाप को अपने उत्पादन का 85-90 प्रतिशत प्रौद्योगिकी आपूर्ति के बदले में दे रहा है। इस प्रकार, न तो कैमेनाल का मूल्य विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मूल्य को पूर्णतया दर्शा रहा है न ही दो देशों के बीच कारोबार मूल्य सही कीमत को ठीक रूप से दर्शा रहा है।

iii. कैमेनाल द्वारा भारतीय बाजार में निर्धारित मूल्य जिस पर वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है और पाटन नहीं करने का इसका दावा यह दर्शाता है कि कैमेनाल को घरेलू बाजार में भी लाभकारी कीमत नहीं मिल रही है।

iv. पर्सटाप का विनिर्माण सुविधाएं स्वीडन, जर्मनी, बेल्जियम, स्पेन, भारत, साउदी अरब (कैमेनाल) ताईवान, और जापान में हैं। कंपनी सबसे पहले स्वीडन से पाटन कर रही थी जिसे शुल्क लगाने के उपरांत जर्मनी में शिफ्ट कर दिया। जबकि प्राधिकृत प्राधिकारी स्वीडन को छोड़कर आयात के संबंध में यूरोपीय संघ से जाँच-पड़ताल कर रहा था, पर्सटाप ने पाटन को साउदी अरब शिफ्ट कर दिया। इसके अतिरिक्त प्राधिकृत प्राधिकारी साउदी अरब के संबंध में अब जाँच पड़ताल कर रहा है, पर्सटाप ने पहले ही आंशिक रूप से पाटन को आपूर्ति के लिए यूरोपीय संघ शिफ्ट कर दिया। इस प्रकार, वर्तमान प्रकरण यह दिखाने के लिए उपयुक्त प्रकरण है कि कैसे बहुराष्ट्रीय कंपनीयां पाटन को एक देश से दूसरे देश शिफ्ट कर रही हैं और कैसे वे नए स्त्रोतों से आपूर्ति के माध्यम से भारत सरकार द्वारा की जाए कार्रवाई से आसानी पूर्वक बच सकते हैं। यह देखते हुए कि अततः उत्पाद एक ही सत्ता द्वारा बेचे जा रहे हैं, यह पाटन कानून का स्पष्टतया दुरुपयोग है।

#### निर्यातकों/आयातकों द्वारा दिया गया प्रस्तुतीकरण:

20. निर्यातक/उत्पादक/आयातकों और अन्य संबद्ध देशों द्वारा इस संबंध निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण में दिए गए हैं:-

i. धारा 9 ए सीएनवी को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में ले जाने का अनुमति नहीं देता है। साउदी अरब (बाजार अर्थव्यवस्था) के लिए सामान्य मूल्य इसका घरेलू विक्रय मूल्य होना चाहिए चूंकि याचिकाकर्ता ने दावा नहीं किया है कि साउदी अरब में सम्बद्ध वस्तुओं का गोई विक्रय नहीं है या साउदी अरब बाजार किसी खास बाजार स्थिति से प्रभावित है। साउदी अरब में संबद्ध वस्तुओं का घरेलू विक्रय मूल्य सामान्य मूल्य होगा। बिना किसी कल्पना के यूरोपीय संघ में क्या घरेलू विक्रय मूल्य को सामान्य मूल्य के रूप में माना जा सकता है।

ii. साउदी अरब में घरेलू विक्रय मूल्य की अपेक्षा साउदी अरब से भारत को किया जाने वाला निर्यात मूल्य अधिक है। इसलिए तथाकथित पाटन तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

iii. कैमेनाल को संबद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में लाभकारी मूल्य मिल रहा है और उनका क्षमता उपयोग भी सर्वोत्तम है।

iv. प्राधिकारी द्वारा यूरोपीयन संघ के विरुद्ध जाँच-पड़ताल शुरू करने से कई वर्ष पहले ही पर्सटाप ने कैमेनाल के साथ लाइसेंस और तकनीकी सहायता करार किया।

v. वर्तमान जाँच-पड़ताल में, संबद्ध वस्तुओं का साउदी अरब जो इसका उदगम देश है से सीधे भारत को निर्यात किया जाता है। इसलिए धारा 9 क सीमाशुल्क-दर अधिनियम, 1975 और डब्ल्यूटीअम:एडीए के अनुच्छेद 2.5 के तहत, संबद्ध वस्तुओं का घरेलू विक्रय मूल्य साउदी अरब में सामान्य मूल्य होगा।

vi. पर्सटाप और कैमेनाल एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं। कैमेनाल पर्सटाप स्पेशियलिटी केमिकल्स ए बी, स्वीडन के साथ केवल लाइसेंस एवं तकनीकी सहायता करार और ऑफ टेक एग्रीमेंट में प्रवेश किया है। लाइसेंस और तकनीकी सहायता अनुबंध के संबंध में पर्सटाप ने कैमेनाल को एक लाइसेंस और डिजाइन, निर्माण, प्रचालन और उत्पादन सुविधाओं के अनुरक्षण के लिए पर्सटाप प्रौद्योगिकी के प्रयोग का अधिकार दिया है। कीमोनल को प्रदान किए गए लाइसेंस और अधिकार के लिए लाइसेंस और तकनीकी सहायता अनुबंध के निबंधन और शर्तों के मुताबिक यह आवश्यक है कि कैमेनाल पर्सटाप को लाइसेंस फीस और परिचालन रॉयलटी का भुगतान करेगा।

vii. ऑफ-टेक करार के अंतर्गत ऐसी कोई शर्त नहीं है जो साउदी अरब के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की विक्रय कीमत के निर्धारण के संबंध में कैमेनॉल के अधिकारों और शक्तियों को बाधित कर सके। वस्तुतः कैमेनॉल साउदी अरब के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की विक्रय कीमत निर्धारण हेतु स्वतंत्र है। औद्योगिकीकरण के मौजूदा दौर में ऐसे लाइसेंस तथा तकनीकी सहायता करार एवं ऑफ टेक करार बहुत प्रचलित हैं। केवल कैमेनॉल तथा पर्सटॉर्प द्वारा ऐसे करार निष्पादित किए जाने के आधार पर ही यह नहीं कहा जा सकता है कि वे परस्पर संबद्ध हैं अथवा कैमेनॉल की घरेलू बिक्री कीमत व्यापार की सामान्य पद्धति नहीं है।

viii. प्राधिकारी को याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए इस तर्क पर विचार नहीं करना चाहिए कि मौजूदा जांच में सामान्य मूल्य का निर्धारण यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमत के आधार पर किया जाए ।

ix. याचिकाकर्ता का यह तर्क निराधार है कि कैमेनॉल की उत्पादन लागत विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन से संबद्ध लागतों को समुचित रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती है ।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

21. जहाँ तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि कैमेनॉल की उत्पादन लागत विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन से संबद्ध लागतों को समुचित रूप से प्रतिबिंबित नहीं करती है ।

और चूंकि पर्सटॉप ने स्वीडन तथा यूरोपीय संघ में विचाराधीन उत्पाद की उल्लेखनीय बिक्री की है अतः संबद्ध देश हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अधिनियम की धारा 9 क (1) (ग) में निम्नानुसार प्रावधान किया गया है :

“(ग) “सामान्य मूल्य” का तात्पर्य किसी वस्तु के संबंध में (i) उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप यथा निर्धारित निर्यातक देश अथवा भूभाग में उपभोग हेतु उद्दिष्ट होने की स्थिति में समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार पद्धति में तुलनीय कीमत से है, अथवा (ii) जब निर्यातक देश अथवा भूभाग के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार पद्धति में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हो अथवा जब निर्यातक देश अथवा भूभाग के घरेलू बाजार में किसी विशेष बाजार स्थिति या कम मात्रा में बिक्री के कारण समुचित तुलना संभव न हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा -

(क) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा भूभाग से किसी समुचित तीसरे देश को निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय प्रातिनिधिक कीमत ; अथवा

(ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों और लाभ के लिए उचित अतिरिक्त लागत सहित उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ;

बशर्ते उद्गम के देश से इतर किसी देश और जहाँ निर्यात के देश के जरिए वस्तु का केवल नौकान्तरण हुआ हो अथवा निर्यात के देश में ऐसी वस्तु का उत्पादन न हुआ हो या निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत न हो, वहाँ सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा । ”

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कैमेनॉल और पर्सटॉर्प के बीच कोई संबंध नहीं है तथा उनके द्वारा किए गए सौदे दो असंबद्ध कंपनियों द्वारा निष्पादित करारों की शर्तों एवं निबंधनों द्वारा शासित सामान्य व्यापार पद्धति के अनुरूप थे । प्राधिकारी ने कैमेनॉल द्वारा प्रस्तुत उत्पादन लागत के ब्यौरों की जांच की है और यह पाया कि वह सऊदी अरब में साऊदी ऑर्गनाइजेशन फॉर सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स (एस ओ सी पी ए) द्वारा जारी सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन मानकों के अनुसार कंपनी द्वारा बनाए गए लेखों पर आधारित है । प्रधिकारी को यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद की कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने संबंधी घरेलू उद्योग के अनुरोध में कोई आधार नजर नहीं आता है । अतः प्राधिकारी ने अधिनियम की धारा 9(क) (1)(ग) के अनुसार तथा सऊदी अरब में उपभोग हेतु उद्दिष्ट होने की स्थिति में समान वस्तु हेतु सामान्य व्यापार पद्धति में तुलनीय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

### सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अपनाई गई कार्य पद्धति

23. प्रधिकारी द्वारा सर्वप्रथम यह निर्धारित किया गया था कि क्या संबद्ध देश में संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री निर्यातक देश में संबद्ध वस्तुओं की कुल बिक्री की तुलना में प्रातिनिधिक थी । तत्पश्चात यह जांच की गई कि क्या उनकी बिक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के नियम 2 के अनुसार सामान्य व्यापार पद्धति के अंतर्गत हुई है । जहाँ भी निर्यातकों में घरेलू बाजार में की गई बिक्री के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं और उन्हें सूचना की जांच के पश्चात प्रधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है, वहाँ घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं की औसत बिक्री कीमत के निर्धारण हेतु उक्त जांची गई सूचना का आधार लिया गया है । सामान्य व्यापार पद्धति परीक्षण के निर्धारण हेतु संबंधित उत्पाद की उत्पादन लागत की जांच उत्पादक द्वारा तैयार रिकॉर्डों के संदर्भ में की गई थी । इसके अतिरिक्त इस तथ्य का निर्धारण करने कि घरेलू बिक्री सामान्य व्यापार पद्धति के अनुरूप थी या नहीं, के लिए समग्र घरेलू बिक्री सौदों की जांच संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई थी । चूंकि प्राधिकारी ने यह पाया कि 20% से अधिक घरेलू बिक्री में हानि हुई अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु केवल लाभ अर्जित करने वाले सौदों को ही ध्यान में रखा गया है ।

### कैमेनॉल, साऊदी अरब हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य

24. मै. मैथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनॉल) ने पी ओ आई के दौरान कुल \*\*\* अमरीकी डॉलर के बीजक मूल्य के लिए कुल \*\*\* मी. टन संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री की सूचना दी है । प्रति इकाई मूल्य \*\*\* अम. डॉ./मी. टन बनता है । दावा किए गए निम्नलिखित समायोजनों को अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है :

क. क्रेडिट लागत - \*\*\* अम.डॉ./मी.टन

ख. पैकिंग लागत - \*\*\* अम.डॉ./मी.टन

ग. अंतर्देशीय भाड़ा - \*\*\* अम.डॉ./मी.टन

उपर्युक्त समायोजनों हेतु \*\*\* अम.डॉ./मी.टन के कुल समायोजन के बाद मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) के संबंध में प्राधिकारी द्वारा \*\*\* अम.डॉ./मी.टन के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

### असहयोगी निर्यातक

25. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्राधिकारी ने नोट किया कि मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) जांच की अवधि के दौरान साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने वाली एकमात्र कंपनी थी। घरेलू उद्योग ने भी यह प्रस्तुत किया कि मै. कैमेनाल साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं की एकमात्र सप्लायर कंपनी है। वर्तमान जांच में संबद्ध देश से किसी अन्य निर्माता/निर्यातक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। चूंकि मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की एकमात्र निर्यातक है, प्राधिकारी यह नोट करता है कि अधिशेष सामान्य मूल्य का निर्धारण करना संगत नहीं है।

### निर्यात मूल्य

26. जांच की अवधि के दौरान मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) द्वारा मै. पर्सटोर्प स्वीडन के माध्यम से भारत को कुल निर्यात \*\*\* अमरीकी डॉलर के सकल मूल्य पर \*\*\* मी.टन था। निर्यात ऑफ - टेक करार के अनुसार मै. पर्सटोर्प, स्वीडन के माध्यम से किया गया था।

27. वस्तुओं को सउदी अरब से सीधे भारत भेजा गया परंतु पर्सटोप स्पेशियल्टी कैमिकल्स ए बी स्वीडन के नाम पर बीजक बनाए गए थे जिन्होंने बदले में भारतीय ग्राहकों के नाम पर बीजक बनाए। पर्सटोप ने बीजक मूल्य के \*\*\* % विपणन शुल्क की कटौती की और शेष कैमेनाल को भुगतान कर दिया। करार की शर्तों के अनुसार, कैमेनाल पर्सटोप को \*\*\* दिनों की क्रेडिट अवधि देता है।

28. निवल निर्यात मूल्य का निर्धारण करते समय निम्नलिखित समायोजन का दावा किया गया है और प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई:

क. क्रेडिट लागत - \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन

ख. पैकिंग लागत - \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन

ग. अंतर्देशीय भाड़ा - \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन

घ. विपणन शुल्क - \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन

29. उपर्युक्त समायोजन के अनुसार \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन के कुल समायोजन के उपरांत भारत को प्रभारित औसत निवल निर्यात मूल्य \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन निर्धारित किया गया है।

### असहयोगी निर्यातक

30. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्राधिकारी ने नोट किया कि मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) जांच की अवधि के दौरान साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने वाली एकमात्र कंपनी थी। घरेलू उद्योग ने भी यह प्रस्तुत किया कि मै. कैमेनाल साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं की एकमात्र सप्लायर कंपनी है। वर्तमान जांच में संबद्ध देश से किसी अन्य निर्माता/निर्यातक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। अतः प्राधिकारी के विचार में संबद्ध देश से असहयोगी निर्यातकों के लिए किसी निर्यात मूल्य का निर्धारण करना संगत नहीं है।

### पाटन मार्जिन

31. उपर्युक्त सामान्य मूल्य एवं यथानिर्धारित निर्यात मूल्य की तुलना करने के बाद मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल), साऊदी अरब के लिए पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डॉलर/मी.टन और xxx % (रेंज % 0 - 10) निर्धारित किया गया है।

### निष्कर्ष

32. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्राधिकारी ने नोट किया कि मै. मीथेनॉल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) जांच की अवधि के दौरान साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने वाली एकमात्र कंपनी थी। घरेलू उद्योग ने भी यह प्रस्तुत किया कि मै. कैमेनाल साऊदी अरब से संबद्ध वस्तुओं की एकमात्र सप्लायर कंपनी है। वर्तमान जांच में संबद्ध देश से किसी अन्य

निर्माता/निर्यातक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की है। प्राधिकारी इसके आगे नोट करता है कि मैं मीथेनोल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) के संबंध में उपर्युक्तानुसार निर्धारित पाटन मार्जिन सबसे कम है।

33. पाटनरोधी नियमों के नियम 14 (ग) के अनुसार, नामोदिष्ट प्राधिकारी, सार्वजनिक नोटिस जारी करके, तुरंत जांच को समाप्त कर सकता है यदि यह निर्धारित होता है कि पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के 2% से कम है। पाटनरोधी नियमों के नियम 14 (ग) में इसके साथ-साथ यह वर्णित है:-

"14. जांच का समाप्त - नामोदिष्ट प्राधिकारी सार्वजनिक नोटिस जारी करके तुरंत जांच समाप्त करेगा यदि -

(क) .....

(ख) .....

(ग) यह निर्धारित होगा कि पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के 2% से कम है।

(घ) .....

(ड.) .....

34. प्राधिकारी नोट करता है कि मैं मीथेनोल कैमिकल्स कंपनी (कैमेनाल) जोकि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र निर्यातक है, के संबंध में पाटन मार्जिन सबसे कम है।

35. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, पाटनरोधी नियमों के नियम 4 (ग) के अनुसार प्राधिकारी एतद्वारा वर्तमान जांच, जो कि दिनांक 22 मई, 2012 की अधिसूचना सं 14/11/2011-डी जी ए डी के तहत आरंभ की गई थी, को समाप्त करता है।

जे.एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY

### (Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### INVESTIGATION TERMINATION NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 2013

**Subject: - Anti-dumping investigation concerning imports of Pentaerythritol, originating in or exported from Saudi Arabia.**

**No. 14/11/2011-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules);

#### **A. Background of the Case**

1. WHEREAS, M/s Kanoria Chemicals & Industries Ltd (hereinafter also referred as the applicant) submitted an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) under the Anti-dumping Rules, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Pentaerythritol (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from Saudi Arabia (hereinafter also referred to as the subject country).
2. WHEREAS, the Authority notified the embassy of the subject country in India in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules about the receipt of the said application alleging dumping of the subject goods from the subject country before proceeding to initiate the investigation.
3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant issued a public notice dated 22nd May, 2012 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

#### **B. Procedure**

4. Procedure described below has been followed with regard to the present investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the anti-dumping investigation by the Authority:
  - i. The Designated Authority sent copies of the initiation notification to the embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers in India and other

interested parties. The known interested parties to this investigation were requested to file questionnaire response and make their views known in writing within prescribed time limit.

- ii. Copies of the letter, petition and questionnaire sent to the producers/ exporters were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known producers/exporters with the request to advise the producers/exporters from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iii. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

1.	Methanol Chemicals Company (Chemanol) Head Office: Novotel Business Park, Damam – Khobar Highway Building No. 3, 1st Floor, P.O. Box No. 3139, Damam – 31471
2.	Methanol Chemicals Company (Chemanol) Corporate/ Work Office: Al Jubail Industrial Area Road 251, Crossing 198, P.O. Box No. 2101, Jubail – 31951
3.	M/s. Perstorp Speciality Chemicals AB SE 284-80 Perstorp, Sweden

- iv. In response to the initiation notification M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) (producer) from Saudi Arabia and M/s Perstorp Specialty Chemicals AB (exporter) from Sweden responded by filing exporter's questionnaire response.
- v. Importer's questionnaires were also sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:

SN	Name of Company	SN	Name of Company
1	M/s. Perstorp Chemicals India (P) Ltd., Vapi	2	M/s. H.R. Trading Co., Pvt. Ltd., Mumbai
3	M/s. Sanman Trade Impex Pvt. Ltd., Mumbai	4	M/s. Leo Chemoplast Pvt., Ltd., Mumbai
5	M/s. Saraf Chemicals Ltd., Mumbai	6	M/s. Samir Dye Chem. Mumbai
7	M/s. Alcon Enterprises, Kolkata	8	M/s. Berger Paints India Ltd., Mumbai
9	M/s. A.V.M. Sales Pvt. Ltd., Kolkata	10	M/s. Century Inka Limited, Mumbai
11	M/s. Ciba Speciality Chemicals (India) Ltd., Mumbai	12	M/s. Addison Paints & Chemicals, Chennai
13	M/s. Decro Paints, Hyderabad	14	M/s. Coates of India Ltd., Mumbai
15	M/s. Dujodwala Paper Chemicals Ltd., Raigad	16	M/s. Hardcastle & WaulMafg. Co., Ltd., Mumbai
17	M/s. Gargi Industries Prop., Navi Mumbai	18	M/s. GoodlassNerolac Paints Ltd., Mumbai
19	M/s. Mitsu Industries Ltd., Mumbai	20	M/s. Hero Dye Chem Industries, Mumbai
21	M/s. Resins & Pigmenhts, Pithampur (MP)	22	M/s. Hindustan Inks & Resins Ltd., Mumbai
23	M/s. ChemiColour Agency, Kolkata	24	M/s. IVP Ltd., Thane
25	M/s. Shalimar Paints Ltd., Hawra	26	M/s. Jenson & Nicholson (I) Ltd., Kolkata
27	M/s. Dujodwala Paper Chemicals, Mumbai	28	M/s. Paras Dyes & Chemicals, Mumbai
29	M/s. Eastcorp International, Kolkata	30	M/s. Vibgyor Paints Pvt. Ltd., Mumbai
31	M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai		

- vi. The initiation notification was also sent to the Indian Paints Association, Indian Resins Manufactures Association and Indian Small Scale Paints Association.
- vii. In response to the initiation notification, only M/s Perstorp Chemicals India Private Ltd (importer and reseller in India), a related company of M/s Perstorp Specialty Chemicals AB, Sweden filed importer questionnaire response.
- viii. While submissions were received from M/s Sandeep Organics Pvt Ltd in support of the domestic industry, The Indian Small Scale Paint Association and Indian Resins Manufactures Association made submissions opposing the domestic industry.
- ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation.
- xi. The Authority compared the import data received from DGCI&S and the data furnished by the domestic industry based on secondary source i.e. IBIS and relied upon the DGCI&S data in the present investigation.
- xii. Information was sought from the applicants to determine non-injurious price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and in terms of the principles laid down in Annexure III to the Rules to ascertain whether Anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry.
- xiii. Investigation was carried out for the period (POI) starting from 1st January, 2011 to 31st December, 2011 (12 months). The injury analysis covered the periods from 2008-09, 2009-10, 2010-11 and the POI.
- xiv. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 18<sup>th</sup> Feb, 2013. The parties which presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- xv. Verification of the information and data submitted by the domestic industry and other cooperating interested parties was carried out by the Authority to the extent deemed necessary.
- xvi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the 'facts available' and treated such parties as non-cooperative.
- xviii. The Department of Revenue vide its Office Memorandum No.354/72/2013-TRU dated 10<sup>th</sup> May, 2013 allowed extension of time up to 21<sup>st</sup> November, 2013 for completing the subject investigation.
- xix. \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate adopted for the POI is 1 US\$ = Rs.46.84.

#### C. Product Under Consideration and Like Article

5. Product under consideration in the present investigations is Pentaerythritol, an organic compound which finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified Drying Oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core Oils and Synthetic Lubricants etc. The term "erythritol" indicates the presence of four hydroxyl groups and the prefix "penta" indicates that there are five carbon atoms in the molecule. Pentaerythritol can be of Technical grade or Nitration grade and both the grades are included within the scope of product under consideration in the present investigation. Pentaerythritol is classified under Customs sub-heading No. 2905.42 under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. However, the Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

6. With regard to like article, Rule 2(d) of the Rules provides as under:

*"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.*

7. The applicant claimed that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from the subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.

8. None of the interested parties has made any relevant submission with regard to the definition and scope of the product under consideration and the like article. The Authority notes that there is no significant difference in subject goods produced by the Indian industry and those exported from the subject country. The two are technically and commercially substitutable. Consumers use the two interchangeably. Subject goods produced by the petitioner company are being treated as like article to the subject goods imported from the subject country in accordance with the anti-dumping Rules.

**D. Standing and Scope of Domestic Industry Submission made by the Domestic Industry**

9. Following submissions have been made by the domestic industry with respect to the standing and scope of the domestic industry:

- i. Asian Paints cannot be considered as an eligible domestic industry for the reason that the company has imported significant volumes of the product under consideration from the subject country.
- ii. The petitioner is not related to any exporter or importer of the alleged dumped goods. No imports have been made by the petitioner directly or indirectly from Saudi Arabia in the period of investigation. The petitioner constitutes a major proportion of Indian Production and therefore, should be treated as “domestic industry” within the meaning of the Rules.
- iii. Production of Asian Paints to the extent of captive consumption should not be included in the domestic production on the grounds that (i) such captive consumption does not compete with the dumped imports in the merchant market and therefore the company is unaffected by the dumping practices to such an extent; (ii) they have not actively participated in previous or the present investigations since they are not affected by the dumping to the extent that the petitioner is affected; (iii) the WTO decision on this subject does not state that captive consumption cannot be excluded. It merely states that injury examination cannot be restricted to one type if the domestic industry has both captive and merchant markets.

**Submission made by producers/exporter/importers:**

10. Following submissions have been made by the producers/exporters/importers with respect to the standing and scope of the domestic industry:

- i. The petitioner held a mere 55% share of the total domestic production during the POI. As the other producer namely M/s Asian Paints holding more than 40% of the total domestic production has not participated in the investigation, the petitioner cannot be regarded as ‘domestic industry’ within the meaning of the statute.
- ii. The captive market cannot be regarded as a market separate from the domestic market. Asian Paints manufactures the subject goods and also sells a significant portion of its production in the open market. Hence, the production of Asian Paints cannot be excluded for determining the standing of Domestic Industry and also for injury analysis.

**Examination by the Designated Authority**

11. The Authority notes that in the present investigation initiation notification was provided to M/s Asian Paints. However, the company neither supported nor opposed the present antidumping investigation. The Authority further notes that M/s Asian Paints had also imported the subject goods from subject country during POI.

12. The Authority notes that the share of the applicant in the total domestic production of the subject goods constitutes more than 50%. In view of the above position, Authority notes that the applicant fulfills the requisite criteria to satisfy standing and constitutes the domestic industry as required under Rule 2(b) and 5(3) of the Anti-dumping Rules.

**E. Miscellaneous Issues Submission of the Domestic Industry**

13. Following miscellaneous submission has been made by domestic industry:

- i. **Rule 5(3)(b) of the anti-dumping Rules requires the Designated Authority, to examine the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application with regard to dumping, injury and causal link before it initiates an investigation. Domestic industry also refers and relies upon available jurisprudence in this regard. It is further submitted that initiation notification clearly shows that the authority has analysed the information and on being satisfied of adequacy and accuracy of the evidence, initiated the investigation. It is further submitted that the applicant provided all the relevant information supplied in the application that is all reasonably available to the applicant as required by Article 5.2.**

- ii. As submitted above there is no illegality in the initiation of investigation. The Designated Authority is not required to hold a detailed inquiry but he has to *prima facie* satisfy as to whether the application is supported by the evidence in relation to dumping, injury and causal link between the dumped import and alleged injury. The Designated Authority rightly issued a public notice of initiation of investigation.
- iii. There is no legal basis for the argument. Period considered in the petition for establishing a case sufficient for investigations is different from the period of investigation that is considered by the authority for determination. While the two periods may be the same, the two need not be the same.
- iv. Excessive confidentiality claimed by the exporters.

**Submission made by producers/exporters/importers:**

14. Following miscellaneous submission has been made by producers/ exporters/ importers and other interested parties.

- i. The application filed by the petitioner is grossly erroneous and incomplete and therefore be terminated immediately.
- ii. The investigation has been initiated without information for the POI since the petitioners only submitted the information relating to the POI 40 days after initiation.
- iii. The demand for the subject goods in the country is far higher than the capacity of the petitioner. The huge demand and supply gap necessitates imports. Therefore injury to the domestic industry, if any, cannot be attributed to the imports but to the inefficiency of the domestic industry.

**Examination by the Authority**

- 15. As regards the submission that application filed by the petitioner is grossly erroneous and incomplete as it is not supported by adequate evidence to justify initiation, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of *prima facie* evidence of dumping, injury and causal link in terms of the Anti-dumping Rules.
- 16. As regard to the submission that the investigation has been initiated without information for the POI, the Authority notes that there is no provision in the Anti-dumping Rules which prevents the Authority from extending the POI during the course of an investigation.
- 17. As regards the argument that there is a huge gap between demand and supply and therefore imports are inevitable, the Authority notes that imposition of anti-dumping duty would not restrict the imports in any manner, and therefore, would not affect the availability of the product to the domestic consumers.
- 18. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties. The Authority made available the non- confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

**F. Methodology for determination of Dumping Margin Normal Value, Export Price and Dumping Margin Submissions by the Domestic Industry**

19. Submissions by the domestic industry are as follows:

- i. Selling price of Chemanol in the domestic market of Saudi Arabia is not in the ordinary course of trade because of the relationship between Chemanol and Perstorp. The cost of production of Chemanol, the only supplier of the subject goods from Saudi Arabia, does not reasonably reflect the costs associated with production of the product under consideration. Perstorp has significant sales of the product under consideration in Sweden and European Union. Normal value should be determined on the basis of price of the product under consideration in the domestic market of European Union.
- ii. It is also relevant to point out that given the relationship between Chemanol and Perstorp, it is quite probable that the transactions between the two parties are not in the ordinary course of trade. There clearly appears to be a barter situation between the two parties wherein one party has supplied production technology and other party is giving 85-90% of its production to Perstorp for sale in the international market in return to the technology supplied. Thus, neither costs of Chemanol are fully reflecting the costs associated with the product under consideration, nor the transaction price between the two parties is adequately reflecting the arm's length prices.
- iii. Given the prices at which goods have been exported by Chemanol in Indian market and its claim of no dumping, it follows that Chemanol is not getting remunerative prices in the domestic market as well.

iv. Perstorp is holding manufacturing facilities at Sweden, Germany, Belgium, Spain, India, Saudi Arabia (Chemanol), Taiwan and Japan. The company was first dumping from Sweden, which was shifted to Germany post imposition of duty. Even when the Designated Authority was conducting investigation in respect of imports from European Union (excluding Sweden), Perstorp shifted dumping to Saudi Arabia. Further, even when the Designated Authority is now conducting investigation in respect of Saudi Arabia, Perstorp has already partly shifted dumping to supplies from European Union. Thus, the current case is the fittest case to show that how multinationals are able to shift dumping from one country to another country and how they can easily evade the action taken by Govt. of India through supplies from new sources. Given that ultimately goods are being sold by one entity, this is clear abuse of the dumping law.

**Submission made by Exporter/importers:**

20. Following submissions have been made by exporter/producer/importers and other interested parties in this regard:

- i. Section 9A does not allow CNV to be taken for a market economy country. The normal value for Saudi Arabia (market economy) has to be its domestic selling price since the petitioner has not contended that there are no sales of the subject goods in Saudi Arabia or that the Saudi Arabian market is influenced by a particular market situation. The domestic selling price of the subject goods in Saudi Arabia shall be the normal value. By no stretch of imagination can the domestic selling price in European Union be considered as the normal value.
- ii. The export prices to India from Saudi Arabia have been higher than the domestic selling prices in Saudi Arabia. Therefore the alleged dumping is factually incorrect.
- iii. Chemanol is getting remunerative prices in the domestic market for the subject goods and their capacity utilization is also optimal.
- iv. Perstorp entered into a License and Technical Assistance Agreement with Chemanol several years before the investigation against European Union was initiated by the authority.
- v. In the present investigation, the subject goods are exported to India directly from Saudi Arabia which is the country of origin. Therefore, in terms Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 and Article 2.5 of the WTO: ADA, the domestic selling price of the subject goods in Saudi Arabia shall be the normal value.
- vi. Perstorp and Chemanol are not related to each other. Chemanol has only entered into a License & Technical Assistance Agreement and Off Take Agreement with Perstorp Specialty Chemicals AB, Sweden. In terms of the License & Technical Assistance Agreement, Perstorp has granted Chemanol a license and right to use Perstorp Technology for design, construction, operation and maintenance of its production facilities. In consideration for the licenses and rights granted to Chemanol, it is required to pay a license fee and running royalty to Perstorp as per the terms and conditions of the License & Technical Assistance Agreement.
- vii. Under the Off Take Agreement, there is no such condition which restricts the rights and powers of Chemanol to decide the price at which it can sell the subject goods in the domestic market of Saudi Arabia. In fact, Chemanol is free to decide the price at which it wants to sell the subject goods in the domestic market of Saudi Arabia. Such License & Technical Assistance Agreements and Off Take Agreements are very common in the present era of Industrialization. Merely because Chemanol and Perstorp have entered into such agreements, it cannot be said that they are related to each other or that the domestic selling price of Chemanol is not in the ordinary course of trade.
- viii. The authority should disregard the contention raised by the petitioner that normal value in the present investigation should be determined on the basis of price of the product under consideration in the domestic market of European Union.
- ix. The contention of the petitioner that the cost of production of Chemanol does not reasonably reflect the costs associated with production of the product under consideration is unsubstantiated.

**Examination by the Authority**

21. As regards the submission of domestic industry that the cost of production of Chemanol does not reasonably reflect the costs associated with production of the product under consideration and since Perstorp has significant sales of the product under consideration in Sweden and European Union, normal value for subject country should be determined on the basis of price of the product under consideration in the domestic market of European Union, the Authority notes that Section 9A(1)(c) of the Act provides as follows:

*“(c) “normal value”, in relation to an article, means –*

*(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –*

*(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory 2 to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

*(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.”*

22. The Authority notes that there is no relationship between Chemanol and Perstorp and the transactions entered into by them were in the ordinary course of trade governed by terms and condition of agreements entered into by the two unrelated companies. The Authority has verified the cost of production details submitted by Chemanol and found that the same is based on the accounts maintained by the company in terms of the Generally Accepted Accounting Standards in Saudi Arabia issued by the Saudi Organization for Certified Public Accountants (SOCPA). The Authority finds no merit in the submissions of the domestic industry to determine the normal value on the basis of price of the product under consideration in the domestic market of European Union. The Authority, therefore, has determined the normal value in terms of Section 9A(1)(c) of the Act and by taking comparable price in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in Saudi Arabia.

#### **Methodology adopted for determination of Normal value**

23. It was first determined by the Authority that whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporters concerned in the subject country was representative when compared to their total sales of the subject goods in the exporting country. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Wherever the exporters have provided transaction wise details of sales made in home market and same has been accepted by the Authority after verification of information, the said verified information has been relied upon to determine the average selling price of the subject goods sold in the home market. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the records maintained by the producer. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the cost of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. Since the Authority found that more than 20% of the domestic sales were loss making, the profitable transactions only have been taken into consideration for the determination of normal value.

#### **Normal value determined for Chemanol, Saudi Arabia**

24. M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) has reported total domestic sales of \*\*\* MT of subject goods during POI for the total invoice value of US\$ \*\*\*. The per unit value works out to US\$ \*\*\* /MT. The following adjustments have been claimed and allowed by the Authority:

- Credit Cost - US\$ \*\*\* /MT
- Packing Cost - US\$\*\*\* /MT
- Inland Freight - US\$\*\*\* /MT

After making the total adjustment of US\$ US\$ \*\*\* /MT on account of the above adjustments, the normal value in respect of M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol), Saudi Arabia has been determined by the Authority as US\$ \*\*\* /MT.

#### **Non Cooperative Exporters**

25. As per available information, the Authority notes that M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) is the only exporter of the subject goods from Saudi Arabia during the POI. The domestic industry has also submitted that M/s Chemanol is the only supplier of subject goods from Saudi Arabia. No other producer/exporter from the subject country has responded in the present investigation. Since M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) is the only exporter of the subject goods from the subject country which responded in the present investigation, the Authority notes that determination of residual normal value is not relevant.

**EXPORT PRICE**

26. The total export to India by M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol), Saudi Arabia, during the POI, through M/s Perstorp, Sweden, was \*\*\* MT, at the gross value of US\$ \*\*\*. The exports had been made through M/s Perstorp, Sweden in terms of the off-take agreement.
27. The goods were shipped from Saudi Arabia to India directly, but the invoices were raised on Perstorp Specialty Chemicals AB Sweden, who in turn raised invoices on the Indian customers. Perstorp deducted marketing fee of \*\*\* % of the invoice value and paid the balance to Chemanol. In terms of the agreement, Chemanol gives \*\*\* days credit period to Perstorp.
28. The following adjustment have been claimed and allowed by the Authority while determining the net export price:
  - a. Credit Cost - US\$ \*\*\* MT
  - b. Packing Cost - US\$ \*\*\* MT
  - c. Inland Freight - US\$ \*\*\*/MT
  - d. Marketing fee - US\$ \*\*\* /MT
29. After making the total adjustment of US\$ \*\*\* /MT on account of the above adjustments, the weighted average net export price to India has been determined at US\$ \*\*\* /MT.

**Non-cooperative exporters**

30. As per available information, the Authority notes that M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) is the only exporter of the subject goods from Saudi Arabia during the POI. The domestic industry has also submitted that M/s Chemanol is the only supplier of subject goods from Saudi Arabia. No other producer/exporter from the subject country has responded in the present investigation. Therefore, the Authority does not consider it relevant to determine any export price for the non-cooperative exporters from the subject country.

**Dumping Margin**

31. After comparing the aforesaid normal value and export price as determined, the dumping margin for M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol), Saudi Arabia has been determined as US\$ \*\*\* /MT and \*\*\* % (Range % 0-10).

**Conclusions**

32. As per available information, the Authority notes that M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol) is the only exporter of the subject goods from Saudi Arabia during the POI. The domestic industry has also submitted that M/s Chemanol is the only supplier of subject goods from Saudi Arabia. No other producer/exporter from the subject country has also responded in the present investigation. The Authority further notes that the dumping margin as determined above in respect of M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol), Saudi Arabia is de minimus.
33. In terms of Rule 14 (c) of the Anti-dumping Rules, the Designated Authority shall, by issue of a public notice, terminate an investigation immediately if it determines that the margin of dumping is less than 2% of the export price. Rule 14 (c) of the Anti-dumping Rules inter alia states as follows:
 

*“14. Termination of investigation. - The designated authority shall, by issue of a public notice, terminate an investigation immediately if –*

  - (a) .....
  - (b) .....
  - (c) ***it determines that the margin of dumping is less than two per cent of the export price;***
  - (d) .....,; or
  - (e) .....
34. The Authority notes that the margin of dumping is de minimus in respect of M/s Methanol Chemicals Company (Chemanol), Saudi Arabia, who are the only exporter of the subject goods from the subject country during the POI.
35. In view of the position explained above, the Authority in terms of Rule 14(c) of the Anti-dumping Rules, hereby terminates the present investigation, which was initiated vide Notification No. 14/11/2011-DGAD dated 22nd May, 2012.

J.S. DEEPAK, Designated Authority